BISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL
(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

ONLINE STUDY MATERIAL

SUBJECT- HINDI GRAMMAR

SESSION-2020-21

CLASS-_4

CHAPTER No- 1

TOPIC: भाषा एवं व्याकरण

भाषा की परिभाषा – भाषा वह माध्यम है जिसके द्वारा हम एक – दूसरे के मन के भावों और विचारों को कहकर , लिखकर , सुनकर या पढ़ कर समझ लेते हैं।

भाषा के प्रकार: भाषा मुख्यतः दो प्रकार की होती है ।

(1) **लिखित भाषा –** जब हम लिखकर अपने भावों और विचारों को व्यक्त करते हैं तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है। लिखित रूप से भाषा को सुरक्षित रखा जा सकता है ।इसे सीखने के लिए सतत् अभ्यास की जरूरत होती है।लिखित भाषा मेंलिखकरएवं पढ़कर विचार प्रकट किए जाते हैं। जैसे जैसे रवि ने पत्र लिखा । कोमल ने पत्र पढ़ा

(2) **मौखिक भाषा -** जब हम बोलकर औरसुनकर अपने भावों और विचारों को प्रकट करते हैं ,तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है ।इसे बच्चा सबसे पहले अपने परिवार से सीखता है ।जैसे गोपाल भाषण दे रहा है और सभी छात्र उसे सुन रहे हैं ।

राष्ट्रभाषा और प्रादेशिक भाषा:

राष्ट्रभाषा : जिस भाषा का प्रयोग किसी राष्ट्र में अधिक- से- अधिक लोगों द्वारा किया जाता है ,वह भाषा उसराष्ट्र की राष्ट्रभाषा कहलाती है और उसी भाषा में प्रशासनिक कार्य भी किया जाता है। इसलिए यह राजभाषा भी कहलाती है।हमारे देश में यह स्थान हिंदी भाषा को प्राप्त है ।राजभाषा के रूप में हिंदी भाषा को **14** सितंबर **1949** को अपनाया गया ।तभी से **14** सितंबर को प्रतिवर्षहिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

प्रादेशिक भाषा: किसी प्रदेश में अधिकांश रूप से बोली जाने वाली भाषा प्रादेशिक भाषा कहलाती है।भारत एक विशाल देश है ,जिसमें विभिन्न प्रदेश हैं। इन प्रदेशों में अलग-अलग भाषा बोली और समझी जाती है। नीचे कुछ प्रदेश और वहाँ बोली जाने वाली भाषा के नाम दिए गए हैं ।

प्रदेश	भाषा

ओडिसा	उड़िया
कश्मीर	कश्मीरी
पंजाब	पंजाबी
गुजरात	गुजराती
पश्चिमी बंगाल	बंगाली
महाराष्ट्र	मराठी
केरल	मलयालम
कर्नाटक	कन्नड़

लिपि - ध्वनियों को लिखने के लिए निश्चित चिह्न लिपि कहलाते हैं।
सभी भाषाओं की लिपियाँ अलग – अलग होती हैं । कुछ भाषाओं की लिपि एक भी हो सकती है।

भाषा	लिपि
संस्कृत.	देवनागरी
हिंदी.	देवनागरी
मराठी.	देवनागरी
अंग्रेजी.	रोमन
पंजाबी.	गुरुमुखी
उर्दू.	फ़ारसी

व्याकरण:

संसार की भाषाओँ को लिखने -पढ़ने व बोलने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं,जो हमें किसी भी भाषा को लिखने -पढ़ने ,बोलने व समझने में आसानी प्रदान करते हैं ।इन्ही नियमों को व्याकरण कहा जाता है ।

व्याकरण की परिभाषा: व्याकरण वह साधन है जो हमें शुद्ध भाषा बोलना और लिखना सिखाता है |

व्याकरण के अंग :

व्याकरण के तीन मुख्य अंग हैं -

1.वर्ण विचार- इसमें वर्णों के उच्चारण और उनके लिखने का ढंग बताया जाता है।
2.शब्द विचार – इस में वर्णों के मेल से बने शब्दों , उनके भेदों पर विचार होता है।
3.वाक्य विचार – इसमें वाक्य की रचना के नियम सिखाए जाते हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

(क) भाषा से आप क्या समझते हैं ? यह कितने प्रकार की होती हैं ?

उत्तर—भाषा वह माध्यम है जिसके द्वारा हम एक दूसरे की मन के भावों और विचारों को कहकर लिखकर, सुनकर या पढ़कर समझ लेते हैं ।

(ख) राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं ?

उत्तर–जिस भाषा का प्रयोग किसी राष्ट्र में अधिक- से -अधिक लोगों द्वारा किया जाता है, वह भाषा उस राष्ट्र की राष्ट्रभाषा कहलाती है और उसी भाषा में प्रशासनिक कार्य भी किया जाता है । इसलिए यह राजभाषा भी कहलाती है ।हमारे देश में यह स्थान हिंदी भाषा को प्राप्त है ।

(ग) प्रादेशिक भाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर लिखिए।

उत्तर –किसी प्रदेश में अधिकांश रूप से बोली जाने वाली भाषा प्रादेशिक भाषा कहलाती है और किसी राष्ट्र में अधिकांश रूप से प्रयोग की जाने वाली भाषा राष्ट्रभाषा कहलाती है।